
नताशा
पहिल मैथिली चित्र-श्रृंखला
देवांशु वत्स



1st Edition 2009 of Natasha (Maithili Language) Published by Shruti Publication,
8/21, Ground Floor, New Rajendra Nagar, New Delhi-110008
Tel.: 011-25889656, 25889658 | Fax: 011-25889657

ISBN: 978-93-80538-04-4

Price: Rs. 150/- (INR)-for individual buyers
US $ 60 for libraries/institutions (India & abroad)

श्रुति प्रकाशन

रजिस्टर्ड ऑफिस: 8/21 भूतल, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110008

दूरभाष: 011-25889656-58 फैक्स: 011-25889657

website://www.shruti-publication.com
email: shruti.publication@shruti-publication.com

Printed by Ajay Arts, Delhi-110002

Sole Distributor:
M/s Ajay Arts, 4393/4A, 1st Floor, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi 110 002 (INDIA)
Tel. : 011-23288341, 43628341


नताशा


काल्हि अहाँ सभकें मदति
करबाक पाठ सिखेने छलहुँ .....


.......कनेको
असर भेल आकि
नहि ?


हाँ यो सर जी, भेलै
की!! आइ भोर हम सभ
पाँच टा बच्चा एकटा
बूढि मैयाँकेँ सड़क पार
करेलिऐ !


आह, अति उत्तम !
मुदा नताशा, ओहिमे
पाँच गोटेक कोन
काज?


सर, पहिने तँ हम असगरे
गेल छलिऐ...


........मुदा बुढ़िया पार हेबाक गरे नै
करैत छलै !!!


नताशा


एक दिन नताशाक ओहिठाम चोरि भऽ गेलै........
तोहर पापा कहैत रहौ जे डेढ लाखक समान चोरि भऽ गेलन्हि.....


मुदा माए कहैत रहौ पौने दू लाखक.......से किऐ ???


कका, नै बुझलिऐ, वैह सदमासँ ददाक हर्ट अटैक भऽ गेलै.......


...माए हुनकर इलाजोक खर्चा....


.........जोड़ि दैत छथिन !!!


नताशा












फ टा क




नताशा


आ ऽ ऽ ऽ करू तँ बुच्ची !
आ ऽ ऽ ऽ


गै माँ... हौ बाप


कने कालक बाद
डाक्टर सेहाब कतेक पाइ भऽ गेल ?


दू सए टका मात्र !
दू सए ? मुदा बोर्ड पर तँ पचासे टका लिखलए...


हाँ, मुदा अहाँक बचियाक बपरहैर सुनि हमर...


...तीन टा पेसैंट पड़ा गेलए ?
!


नताशा


नताशा, अहाँकेँ की चाही ?
कका....

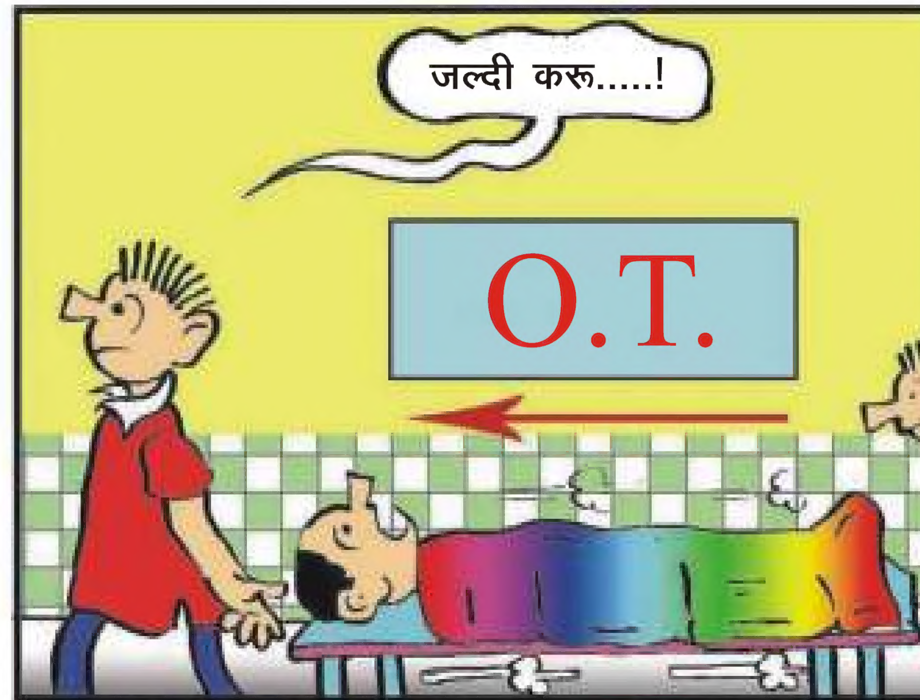

अहाँकेँ मोन हएत.... दूइ दिन पहिने हम रोशनाइक दाग छोड़ाबएबला दवाइ लऽ गेल छलहुँ....


हँ.... हँ.... मोन अछि.... आर चाही की ?


नहि कका........


ओहि दवाइक दाग छोड़ाबए बला दोसर दवाइ होए तँ दऽ दिअ !!!


नताशा


जल्दी करू.....!
O.T.


कनेक काल बाद
O.T.
डॉ. साहेब, कका केहन छथिन?


ठीक छथिन। ओ तँ समय रहैत हम ऑपरेशन कऽ देलहुँ ने तँ.....


ने तँ की भऽ जइतै डॉ. साहेब?


नहि तँ.. नहि तँ..


.....बेमारी अपनहि ठीक भऽ जइतैक !!!
!!
O.T.
!


नताशा


नताशा, हम आइयो ओतबहि ताकतवर छी जेतना आइसँ तीस साल पहिने रही.....


अहाँ ई गप कोना कहि सकैत छी?


अहाँ ओ पाथर देखि रहल छी?
हँ...


ओकरा हम तीस साल पहिने नहि उठा सकैत रही...


...आ आइयो नहि उठा पबैत छी!!!
!!


नताशा


बुचु, किऐक कानै छी ?


किएक नहि, एतेक नीक बुचुकेँ किएक नहि घुमाएब..


दीदी, कने, तेज दौगब....


आह ! एहिना तेज !!!


....कनेक आर तेज....


...कनेक आर....


हम्पफ... हम्पफ... सुआइत कियो एकरा नहि घुमाबैत छैक !!!


नताशा


नताशा स्कूल जएबाक लेल तैयार भऽ रहल छल
डिंग डांग


दीदी किछु खाए लेल दिअ...


एना भीख मांगै छह..... अहाँकेँ तँ एखन स्कूल जएबाक चाही.......


ओतहियो गेल छलियऽ मुदा.......


......ओतए फुटलो-कौड़ी नहि भेटल !!!
!


नताशा


नताशा आ पीलू स्कूलक रस्तामे.....


तखने....
मेंऽएएए...
मेंऽएएए...


दाय गे, ओ बकरी एतबा कानै किएक रहै ?


...ओ आदमी ओकरा कसाइ लग लऽ जाइत छलै, तँ कानै रहै......


ओ ! हम तँ बुझलिऐ ओ ओकरा स्कूल लऽ जाइत छलै !!


नताशा


एक दिन......
?
भ.. भाइ जी... ट.. टाइम क.... की भ.... भऽ गेल ?


क.... कनि स... समय बता देब ?


भ.. भाइ जी... ट.. टाइम क... की भऽ... गेल?


दोसर आदमी चलि गेल...


कका, अहाँ हुनका समय किऐ नहि बता देलियन्हि ?


ब... बुची ह... ह... हमरा ह...ह...ह... हुनका सँ म...म... मारि-पीट न..नहि क करै के र... रहै !!!


नताशा


नताशाक मामा आएल रहथिन....
मम्मी, एतेक रोटी....!?


शः शः चुप रहू! जा कऽ मामा जी केँ बजा आनू....


अरे ! एतेक रोटी !!
....पचपने टा अछि!!


..हमरा लेल पचपन टा रोटी! मता गेल छी की? एतेक रोटी हम खा सकब....?


....निकालू एहिमे सँ तीन टा रोटी !!!


नताशा


नताशा, अहाँक ओहिठाम
घोड़ा ! ?


हँ, ई घोड़ा काकीक
लेल छै......


अच्छा !


काकी अपन वजन
घटेबाक लेल तीन
माससँ घुड़सवारी
कऽ रहल छथिन..


कोनो असर भेलन्हि ?


...हँ, घोड़ाक वजन दस
किलो कम भऽ गेलै !!!



नताशा



?
धूमऽ धड़ाकऽऽ
थापड़ऽऽऽ



कक्का, कक्का, टिक्कूकेँ किऐ मारि रहल छिऐ ?



ई कोनो बदमाशी केलकए की ?



नहि नताशा, एहन गप्प नहि अछि...



फेर ?
हम एक हफ्ताक लेल आगरा जा रहल छी....



...आ दुइ दिनक बाद हिनकर परीक्षाक रिजल्ट आबि रहल अछि !!!
!!


नताशा


एक दिन...
खट. .
खट. .


बुची कने खाए लेल दिअ......


अहाँक पड़ोसिया मिसर भरि पेट चूड़ा-दही खिएलक...


आ अहाँक खट्टर काकी तँ मारते तरहक मिठाइयो.....


........अहाँ की खुआएब ?
एक मिनट रूकु....


ई लिअ, हाजमाक गोली !!!


नताशा


अरे, ददा तँ सुति गेलखिन !!!


ददा यौ ददा, जल्दी उठू........


ओह ! कतेक गहीर निन्नमे छलौं.....


किएक उठा देलहँ निन्न सँ....


ददा, असलमे........


.....हम अहाँकेँ निन्नक दवाइ देनाइ बिसरि गेल रही !!


नताशा


नताशा पचास टका देब ?


किऐ नहि ! ई लिअ...
बहुत धन्यवाद


मुदा वापस कखनि करब ?


आगरासँ वापसीक बाद.....


....से कखनि आबि जाएब आगरा सँ ?


पता नहि ! अखनि तँ जाइये क प्रोग्राम नहि बनल अछि !!!


नताशा


नताशा, अहाँक मैथिली बड्ड कमजोर अछि। काल्हि अहाँ घरसँ अपना बारेमे २० पाँतीमे लिखि कऽ आनब !


नताशा, अहाँकेँ काल्हि हम किछु कहने रही ! मोन अछि ?


हँ सर !
देखाउ !


ओह ! ई तँ अहाँ मात्र पंद्रहे पाँतीमे लिखने छी.......


सर, असलमे जे.....


.....हमर गणितो कमजोर अछि !!


नताशा


दिन-राति खेल-कूद! छोटकाकेँ अहाँ किछु पढ़ा नहि सकैत छी?


फेर......
पीलू दूइ आ दुइ चारि होइत अछि, आब अहाँ बताउ....


जे नौ आ नौ कतेक हेबाक चाही?


दीदी, अहाँ बड्ड बुधिआर छी ! हल्लुक सवालक जवाब तँ अहाँ अपने दऽ देलिऐ


........आ भारी सवाल हमरा लेल छोड़ि देलिऐ !!


नताशा


कक्षा मे...
......हँ तँ बुतरु लोकनि, इतिहासक दोसर पाठ समाप्त भेल...


आब अहाँ सभ सँ जे पूछी.....


...तकर जवाब फटाफट दै जाउ तँ.....
जी सर


नताशा बताउ.... अकबर के छलाह ?


सर जी, फटाफट!!!
!

नताशा


एहि ठाम राखि दियौ.


आब कनी हिसाबो कऽ लेल जाए..... पच्चीस सएक साड़ी


सात सएक फ्रॉक... चारि सएक चूड़ी... आ.... तीन सएक क्रीम पाउडर....


आ, आ, चारि सएक सेण्ट.... आ...आ अस्सी टका....


..क टैम्पू भाड़ा....ई सबहक जोड़ की निकलत नताशा?


पप्पाक दिवाला !!!


नताशा


नताशाक पड़ोसी उस्ताद हल्ला चंद.....
मालिक अहूँ एक दिन संगीतक दुनियामे छा जाएब!!!


तखने....
डिंग डांग
कियो संगीत प्रेमी आबि गेल की....?


कका आइ भरि लेल अहाँ अपन तबला आ हरमोनियम दऽ सकैत छी?


हँ हँ किऐ नहि! किऐ नहि! जरूर कोनो संगीतक प्रोग्राम होएत अहाँक घरमे!


नहि कका, एहन कोनो बात नहि अछि। असल मे आइ राति हम सभ...


...चैन सँ सुतए चाहैत छी!


नताशा


एक दिन ...
ई जूता किनकर अछि नताशा ?
कक्काक !


लिअ, बनि गेल जुत्ता! दस टका भेल.....


.... कक्का, अहाँक नम्बर आएत तखनि टका भेटत!


हमर नंबर आएत तखनि टका... मतलब मतलब


कक्का, हमर कक्का कहने छथिन पहिने....


...ओहि दोकानदारकेँ टका देल जेतन्हि, जिनकासँ ई जुत्ता कीनल गेल रहै !
!


नताशा


नवका टी.वी.
बहिन जी, ई हमर कंपनीक लेटेस्ट मॉडल थिक....


टी.वीकेँ अहाँ भनसे घरसँ ऑन-ऑफ कऽ सकैत छी...


आब हम चलैत छी.....


दूइ दिनक बाद.
...टी.वी केहन लागल बहिन जी?


...कक्का, बड्ड नीक! मुदा एक गोट दिक्कत अछि
की?


टी.वी.ऑन-ऑफ करए लेल माएकेँ बेर-बेर भनसाघरमे जाए पड़ैत छन्हि!



नताशा आ रोमी रेस्टोरेन्ट
मे। भोजन केलाक बाद....

जा! पाइ तँ आनबे नहि
केलिऐ ! की?

की?

हमरो लग पाइ
नहि अछि!

मैनेजर आएल

कोनो बात नहि.
अहिठाम देवारपर
अपन-अपन नाम
लिखि दियौ.

....पाइ भेटलाक
बाद मेटा देल
जाएत !

देवारपर
नाम !

..कियो देखतै
तँ भद्‌द भऽ
जेतैक !

निश्चित रहू... कियो
नहि देखि सकत..

से कोन ?

..ऊपर अहाँक अंगा जे
टांगल रहत !!

!

नताशा



एक दिन...
टपलू !



टपलू ! अहाँक ई हाल कोना भऽ गेल ?



हँसेबाक कारण !



हँसेबाक कारण ! मतलब ?



नताशा, असलमे कािल्ह.....



....हम पहलवान कक्काकेँ खसैत देखि कऽ हँसि पड़ल रही !!
!


नताशा


गुल्लू भैया, बड्ड खुश छिऐ। की बात ?


नताशा, आइ मास्टर साहेब तँ बुद्धू बनि गेलखिन !!!


अच्छा ! से कोना ?


...आइ हमरा मास्टर साहेब राजू बुझि कऽ मारैत रहथिन..


..मुदा हम हुनका ई बतेबे नहि केलिऐ जे हम राजू नहि.....


...गुल्लू छी !!!
!


नताशा


आह ! हम कतए छी ?


अस्पतालमे कक्का, रातिमे अहाँ छत परसँ खसि पड़ल रहिऐ.....


आह भगवान ! हम बचि गेलौं !


हँ कक्का, मुदा ओ तीनू मरि गेलखिन...


..जिनकापर अहाँ खसल रहिऐ !!


नताशा


नताशा, हम एक घंटामे आबि रहल छी। पीलूपर ध्यान देब...


मुदा एक घंटाक बाद...
?


नताशा, पीलू किऐक कानि रहल अछि?


काकी, पहिने तँ ई एकटा खाधि खुनि लेलक...


.....फेर ओहिमे पानि भरि जिद कऽ रहल अछि जे......


...पानि सहित ई खाधि कोठरीमे लऽ चलू !


नताशा


एक दिन...
हौ बाप !


कक्का, की भऽ गेल ?


नताशा, रातिमे सपना देखलिऐ जे हम कपड़ा खा रहल छी


एहिमे विचलित हेबाक कोन बात ?


अरे आगा तँ सुनियौ, भोरे उठि कऽ देखै छिऐ जे...


....हमर तकिया गाएब अछि !!!


नताशा


गामसँ नताशाक ददा आएल रहथिन....
बौआ लोकनि, हम अही ठाम सूतब..


अहाँ सभ लग अवाज करए बला कोनो वस्तु-जात तँ नहि अछि ?
नहि..


माने जे अहाँ सभ लग पिपही, खेलौना, रेडियो आदि तँ नहि अछि ?
नहि...


हमर नीन बड्ड पातर अछि। अहाँ सभ गप्प नहि करब.......
ठीक अछि। मुदा अहाँकेँ सुतएमे तैयो दिक्कत होएत...
से किऐ ?


हमर कलमक नीब खड़खड़ा कऽ चलैत अछि !!!


नताशा


एक दिन भोरे भोरे
अरे !


नताशा, अहाँ तँ कहने रही जे अपन पड़ोसी दीना जी रिश्तेदारक घर गेलथि..
हँ...


..मुदा हुनका तँ पुलिस जेल लऽ गेलन्हि..
दीना जेल मे


पप्पा, असलमे दीना कक्का, दुनू मामा आ कक्को....


...पहिनेसँ ओहि जेलमे छथिन !


नताशा


दीदी, पहलवान कक्काक हालत बड़्ड खराब छन्हि.... राति शिकारपर गेल रहथिन.....
चलू तँ की बात अछि....


पहलवान कक्का...
हो बाप!


कक्का, जानवर बड़्ड खूंखार रहए की?


अरे नहि गे! हम तँ मुर्गीक शिकारमे रहियौ.....

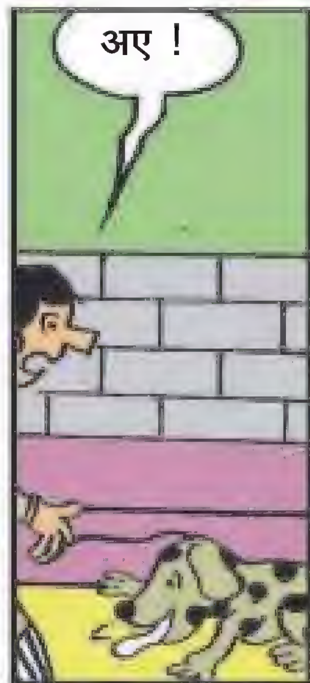

......मुर्गीक! मुदा मुर्गी एतेक खतरनाक तँ नहि.....


हँ गै, मुदा मुर्गीक मालिक बड़्ड खतरनाक रहौ! हो बाप!


नताशा


कक्का, एकटा टिकट देब!
ई लिअ !


कनेक काल बाद.
हो बाप हमर टिकट कतए...


अए !


कक्का, हमर टिकट हमर कुकुर खाए गेलए ओ भुखल रहए...


तखनि तँ बेटी... अहाँकेँ


...कुकुरक भोजन फेरसँ किनए पड़त !!!

नताशा


ओह, पीलू !! आब आइसक्रीम कतए नुकाएब....


दीदी, अहाँकेँ माए तकैत छलथि...


अहाँ जाउ.... हम अबैत छी...!


...माए तँ संगे आबए लेल कहने छलथि....


एक बेरि कहलौं नहि.. अबैत छी...
अच्छा.. जाए रहल छी...


?!


नताशा


हौ बाप ! गै माए !!


एहन खतरनाक मोड़पर एतेक तेज साइकिल.. चलबैत छी....


अहाँकेँ डर नहि लागैत अछि ?


अहिमे डरनाइ की?


..एहन खतरनाक मोड़ आबि जाए तँ अहूँ हमरे जकाँ


...अपन आँखि बन्न कऽ लेल करू


नताशा


एक दिन...
?
धूमऽ धड़ाकऽ
ऽ धुमड़ ऽ ऽ


कक्का, टप्पूकेँ किऐक मारैत छिऐक ?


...नताशा, आइ ई नवका जुत्ता पहिरलकए तेँ हम एकरासँ कहलिऐ जे एक सीढ़ीक बजाए दूइ सीढ़ी चलल कर, जाहिसँ सोल कम खियाए..
फेर ?


....मुदा ई मूढ़ तँ दूइक बदले तीन सीढ़ी चढ़ए लगलैक...!


वाह ! तखन एकरा किऐक मारैत छिऐक ?


एनामे नालायकक पैजामा फाटि गेलैक !


नताशा


एक दिन..
F/33


बुची, तू तँ बजने छलैं जे तोहर पपा घरेमे छथुन..
हा!


तखनि हम एक घंटासँ चिकरि रहल छी...


...ओ बाहर किऐक नहि निकलैत छथुन ?


हम तँ ठीके कहने छलहुँ जे पपा घरेमे छथिन...


ई थोड़े कहने छलहुँ जे हम्मर घर यैह थिक! हम्मर घर तँ ओ थिक E/44 !!!
E/44


नताशा


आइ हम अहाँ सभसँ विज्ञान संबंधी सवाल पूछब....


नताशा, जलक सूत्र बताउ...


एच, आइ, जे, के, एल, एम...


आहा ! ई की बाजि रहल छी अहाँ?


सरजी, अहीं तँ कहने रहिए...


जे जलक सूत्र 'एच टू ओ' होइत अछि !!!


नताशा


काल्हि हम अहाँ सभसँ कुकुरपर निबंध लिखए लेल कहने रही....लिखने छी ?


हँ सर !
देखाउ !


अरे ! नताशा आ चिंकी अहाँ दुनूक निबन्ध एक्के जकाँए...!


सच बताउ ! के केकर नकल केने छी ?


नकल नहि सर, बुझाइत अछि, हम दुनू शायद....


.....एक्के कुकुरपर निबंध लिखि देने छी!


नताशा


नताशा नानी गाम गेल छल...


एक दिन...
बुचू, लिअ ई गिलास दुक्खा कक्काकेँ दऽ आउ...


..आ सावधानीसँ जाएब....देखब फूटि नहि जाए..


..ममा, गिलास तँ एखन फूटबो नहि केलकए...


...मुदा, अहाँ बुचूकेँ झापड़ किऐक मारि देलिऐ ?
नहि बुझलिऐ...


..गिलास जखनि फुटिए जेतइ तँ झापड़ मारलासँ थोड़े जुड़ि जतए !!!

नताशा


एकटा गप्प
जानलिऐ ?


की ?
एकटा बच्चाकेँ
हथिनीक दूध
पिआएल गेलए
तँ..


ओकर ओजन दस किलो बढ़ि गेलैक..
अच्छा
सचमे !


आश्चर्य!
केकर बच्चा
रहैक ओ?


हाथीक !!


नताशा


पिकनिकक योजना बनि रहल छल....
हम पूड़ी आ दालि आनब...


हम मिठाइ लऽ आनब....


..हम मौस आनब..


..हम लूडो आ बैट बॉल आनब। नताशा अहाँ?


अहाँ सभ तँ सभ चीज आनिए लेब.... अहिलेल...


हम माए–पपाकेँ आनि लेब !!

नताशा


कक्का प्रणाम !
खुश रहू !


नताशा, आउ एकटा चीज देखू !


हम ओइ कोनामे मकड़ीक जालक चित्र बनैलिए....


.....ओकरा भोरमे हमर नौकर असली बूझि कऽ घंटा भरि साफ करैत रहलै.....


आश्चर्य !
छै ने अद्‌भुत कलाकृति ?


कक्का, हमरा कलाकृति नहि, अहाँक एतेक मेहनती नौकर पर आश्चर्य भऽ रहल अछि!
!!

नताशा


एक दिन...
STOP
कक्का प्रणाम!


खुश रहू बुची! मुदा हम अहाँकेँ चिन्हलौं नहि...


...तँ अहाँ हमरा प्रणाम किऐक केलिऐ ?


कक्का, चिन्है तँ हम अहाँकेँ नहि छी, मुदा ओइ छत्ताकेँ खूब चिन्हैत छी जे किछु दिन पहिने....


...हमर घरसँ गाएब भऽ गेल छल!!


नताशा


नताशा, एकटा गप्प कहू की ?
की ?


अहाँ तँ कहिने रहिऐ जे अहाँक पडोसी इमानदार अछि...


हँ, कहिने रही...


..तँ अहाँक पप्पा अपन मुर्गी फार्म लग....


बंदूक लऽ कऽ किऐक बैसल रहैत छथिन?


..अहि लेल जे पड़ोसी इमानदार बनल रहए !
मुर्गा खरीदें


नताशा


एतेक देरीसँ स्कूल आबि रहल छी....?
SCHOOL


सर, रस्तामे हमर पाँच टकाक सिक्का हरा गेल रहए...


....हम ओही तकैत रही...


....आ नताशा, अहाँ?


सर, हम ओही सिक्कापर अपन पैर राखने रही...


नताशा


....ई बडड् प्रसन्नताक गप्प अछि
जे अहाँ सभ आब नवका कक्षामे
आबि गेल छी....


....अच्छा नताशा बताउ
एक पोखरि लग दसटा
महीस चरैत छल...


....एहिमे सँ एकटा
महीस पानिमे घुसि
गेल तँ बाहर कैकटा
महीस रहि गेल ?


सर, एकोटा
नहि !


आश्चर्य अछि नताशा,
अहाँ तँ गणितमे बड्ड
कमजोर छी !


नहि सर, मुदा शायद
अहाँकेँ महीसक चालि नहि
बूझलि अछि!!



देवांशु वत्स

जन्म-तुलापट्टी, सुपौल। मास कम्युनिकेशनमे एम.ए., हिन्दी, अंग्रेजी आ मैथिलीक विभिन्न पत्र-पत्रिकामे कथा, लघुकथा, विज्ञान-कथा, चित्र-कथा, कार्टून, चित्र-प्रहेलिका इत्यादिक प्रकाशन। विशेष: गुजरात राज्य शाला पाठ्य-पुस्तक मंडल द्वारा आठम कक्षाक लेल विज्ञान कथा ''जूंग'' प्रकाशित (2004 ई.), मैथिलीक पहिल चित्र श्रृंखला नताशाक जनक।

मैथिलीमे नेना-भुटकाक प्रिय विधा चित्र-कथाक खगता देख नताशा चित्रकथा श्रृंखलाक संकल्पना हमरा मोनमे करीब एक दशक पहिने आएल छल। प्रकाशनक माध्यम आ प्रसार साधनक अभावमे हमर कल्पना हिंदीमे अनुदित भऽ विभिन्न पत्र-पत्रिकामे छपय लागल आ शनै:-शनै: ई हिन्दीक भऽ गेलै।

''विदेह'' आ ''मैथिल आर मिथिला'' सँ जुड़लाक बाद दशकक दबल कामना पूरा हेबाक लेल हिलकोर लेबै लागल। एहि क्रममे नताशाक मूल मैथिलीक अलावे एकर हिंदी संस्करणक अनुवादमे 31 मार्च 2009 सँ लागल छी। एहि कार्यमे अनुज मित्र कुमार सौरभक सहयोग उल्लेखनीय अछि।

एहि सन्दर्भमे दू टा बिंदु स्पष्ट कऽ देब आवश्यक अछि-

1. श्रृंखलाक चित्रकथामे किछु प्रचलित चुटक्काक अलावे किछु मौलिक कथ्यक उपयोग कएल गेल अछि।
2. एहि श्रृंखलाक अनेको चित्रकथा बालहंस, चकमक, बच्चों का देश, प्रभात खबर, अंग्रेजी पत्रिका TINKLE आ रविवासरीय जनसत्ताक यात्रा कऽ चुकल अछि।

हमर प्रयास सकारथ होएत जँ किछुओ धीया-पुता एहि माध्यमे मातृभाषाक साहित्यिक पक्षसँ जुड़ता।

नताशा चित्र-श्रृंखलाक प्रति व्यक्तिगत रूचि लेल गजेन्द्र ठाकुर जीक आभारी छी। मैथिलीमे बेसीसँ बेसी चित्रकथा उपलब्ध होए आ नेना सबहक बीच ओकर बेसीसँ बेसी प्रसार होए तँ हम अपन श्रम सार्थक बूझब। चित्रकथा निर्माणमे रूचि रखनिहार आगाँ आबथु।

-देवांशु वत्स



श्रुति प्रकाशन

कार्यालय: 8/21, न्यू राजेन्द्र नगर, दिल्ली-110008

दूरभाष: (011) 25886656-58 फैक्स: (011) 25886657

website: http://www.shruti-publication.com
email: shruti.publication@shruti-publication.com

ISBN 978-93-80538-04-4



Rs. 150/- US $60



श्रुति प्रकाशनसँ शीघ्र प्रकाश्य

मैथिली चित्रकथा

- मैथिली चित्रकथा-**नीतू कुमारी**
- मैथिली चित्रकथा-**प्रीति ठाकुर**

जगदीश प्रसाद मण्डल

- *कथा-संग्रह*- गामक जिनगी
- *नाटक*- मिथिलाक बेटी
- *उपन्यास*- मौलाइल गाछक फूल, जीवन संघर्ष, जीवन मरण, उत्थान-पतन, जिनगीक जीत
- मिथिलाक संस्कार/विधि-व्यवहार गीत आ गीतनाद - **संकलन उमेश मण्डल**

गजेन्द्र ठाकुरक रचना सभ

1. *कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक* सात खण्डक बाद गजेन्द्र ठाकुरक ***कुरूक्षेत्रम् अन्तर्मनक-२ खण्ड-८ (प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना-२)***
2. *सहस्त्रबाढ़निक* बाद गजेन्द्र ठाकुरक दोसर उपन्यास ***सहस्त्रशीर्षा***
3. *सहस्त्राब्दीक* चौपड़परक बाद गजेन्द्र ठाकुरक दोसर पद्य-संग्रह ***सहस्त्राजित्***
4. *गल्प गुच्छक* बाद गजेन्द्र ठाकुरक दोसर कथा-गल्प संग्रह ***शब्दशास्त्रम्***
5. *संकर्षणक* बाद गजेन्द्र ठाकुरक दोसर नाटक ***उल्कामुख***
6. *त्वञ्चाहञ्च* आ *असञ्जाति* मनक बाद गजेन्द्र ठाकुरक तेसर गीत-प्रबन्ध ***नाराशंसी***
7. नेना-भुटका आ किशोरक लेल गजेन्द्र ठाकुरक तीनटा नाटक ***जलोदीप***
8. नेना-भुटका आ किशोरक लेल गजेन्द्र ठाकुरक पद्य संग्रह ***बाङक बङौरा***
9. नेना-भुटका आ किशोरक लेल गजेन्द्र ठाकुरक खिस्सा-पिहानी संग्रह ***अक्षरमुष्टिका***

श्रुति प्रकाशन

कार्यालय: 8/21, न्यू राजेन्द्र नगर, दिल्ली-110008

दूरभाष: (011) 25886656-58 फैक्स: (011) 25886657

website: http://www.shruti-publication.com

email: shruti.publication@shruti-publication.com